पत्र सूचना शाखा
(मुख्यमंत्री सूचना परिसर)
सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उ0प्र0

संविधान निर्माण में बाबा साहब के योगदान को भारतवासी युगों–युगों तक स्मरण करेंगे : राज्यपाल

डॉ0 आंबेडकर ने सामाजिक बुराइयों का सामना करते हुए उच्च शिक्षा प्राप्त की और समाज के सामने एक मानक प्रस्तुत किया : मुख्यमंत्री

भारत के संविधान में डॉ0 आंबेडकर का योगदान अविस्मरणीय एवं अभिनन्दनीय

प्रदेश के हर सरकारी कार्यालय में डॉ0 भीमराव रामजी आंबेडकर की तस्वीर सम्मानजनक ढंग से स्थापित की जाएगी

राज्य सरकार प्रत्येक व्यक्ति को शौचालय उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध

डॉ0 आंबेडकर जैसे व्यक्तित्व और कृतित्व के महापुरुष को पाठ्यक्रम में स्थान मिलना चाहिए

राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने डॉ0 अम्बेडकर महासभा परिसर में स्थापित तथागत बुद्ध की प्रतिमा पर माल्यार्पण तथा डॉ0 आंबेडकर के अस्थिकलश पर पुष्पांजलि अर्पित की

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने महासभा परिसर में अनुसूचित जाति/जनजाति उत्पीड़न निवारण एवं सशक्तिकरण केन्द्र का उद्घाटन किया

राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने डॉ0 आंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर डॉ0 अम्बेडकर महासभा में आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित हुए

लखनऊ : 06 दिसम्बर, 2017

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक जी ने कहा कि डॉ0 भीमराव आंबेडकर बेहद प्रतिभाशाली एवं अनोखे व्यक्तित्व के धनी थे। उन्होंने बहुत कष्ट उठाकर उच्च शिक्षा प्राप्त की और महान शिक्षाविद्, कानूनवेत्ता और समाज सुधारक बने। वर्तमान समय में उनके संघर्ष को समझ पाना भी कठिन है। बाबा साहब भारतीय संविधान की ड्राफ्टिंग कमेटी के अध्यक्ष थे, जो कि अत्यन्त चुनौतपूर्ण कार्य था। संविधान निर्माण में बाबा साहब के योगदान को भारतवासी युगों–युगों तक स्मरण करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रायः बाबा साहब का नाम भीम राव अम्बेडकर लिखा जाता है, जो कि सही नहीं है। उन्होंने संविधान की हिन्दी मूल प्रति पर बाबा साहब द्वारा किए गए हस्ताक्षर भीमराव रामजी आंबेडकर को सही बताते हुए सभी से इसे ऐसे ही अपनाने का आह्वान किया।

राज्यपाल जी आज यहां बाबा साहब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर महासभा में डॉ0 आंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने के पश्चात अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इस मौके पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने बाबा साहब डॉ0 भीमराव आंबेडकर को भारतीय संविधान का शिल्पी बताते हुए कहा कि आज पूरा देश भारत माता के इस सपूत को अपनी श्रद्धांजलि दे रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि छोटे से बड़ा होना महानता का लक्षण है। बाबा साहब ने महानता अपने कृतित्व से अर्जित की। मध्यकाल में पैदा हुई छुआ–छूत और अस्पृश्यता की विकृति का शिकार बाबा साहब को भी अपने बचपन में होना पड़ा। किन्तु उन्होंने सामाजिक बुराइयों का सामना करते हुए उच्च शिक्षा प्राप्त की और समाज के सामने एक मानक प्रस्तुत किया। आजादी के संघर्ष सहित भारत के संविधान में उनका अभूतपूर्व योगदान अविस्मरणीय एवं अभिनन्दनीय है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के हर सरकारी कार्यालय में डॉ0 भीमराव रामजी आंबेडकर की तस्वीर सम्मानजनक ढंग से स्थापित की जाएगी।

प्रधानमंत्री जी द्वारा कल 07 दिसम्बर, 2017 को नई दिल्ली में आंबेडकर भवन के उद्घाटन की जानकारी देते हुए योगी जी ने कहा कि केन्द्र और प्रदेश सरकार डॉ0 आंबेडकर के दलितों को मुख्य धारा से जोड़ने के सपने को साकार करने के लिए कटिबद्ध है। वर्ष 2014 में आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद डॉ0 आंबेडकर से जुड़े स्थलों यथा मध्य प्रदेश राज्य में उनकी जन्मभूमि, इंग्लैण्ड में उनका शिक्षा स्थल, दिल्ली में राजकीय भूमि, मुम्बई में चैत्य भूमि आदि को महत्व देकर पंचतीर्थ के रूप में विकसित किया गया है। स्टैण्डअप योजना के तहत प्रत्येक बैंक की ब्रांच को कम से कम एक दलित को उद्यमिता के लिए प्रोत्साहित करने के लिए कहा गया है। इससे हजारों की संख्या में दलित नौजवानों को आगे बढ़ने का मौका मिला है। इस योजना के तहत प्रदेश में प्रत्येक वर्ष 35 हजार उद्यमी लाभान्वित होंगे।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हाथ से मैला उठाने की प्रथा को समाप्त करने के लिए राज्य सरकार प्रत्येक व्यक्ति को शौचालय उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

ग्रामीण इलाकों में 48 लाख शौचालयों का निर्माण कराया गया है। अनुसूचित जाति एवं जनजाति के छात्रों के खाते में छात्रवृत्ति की शत–प्रतिशत धनराशि अंतरित की गई है। राज्य सरकार ने शादी आदि अनुदानों को कार्यक्रम से पहले दिए जाने की व्यवस्था की है।

योगी जी ने कहा कि सामाजिक, आर्थिक विषमता समाज के लिए अभिशाप है। इसलिए हम सभी समतामूलक समाज के निर्माण के लिए प्रयासरत हैं। डॉ0 आंबेडकर जैसे व्यक्तित्व और कृतित्व के महापुरुष को पाठ्यक्रम में स्थान मिलना चाहिए। महापुरुषों के नाम पर होने वाली छुट्टियों के स्थान पर ऐसे दिवसों पर स्कूलों में सम्बन्धित महापुरुष के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी दी जानी चाहिए, जिससे भावी पीढ़ी महापुरुष के व्यक्तित्व एवं कृतित्व के बारे में जानकर उनसे प्रेरणा प्राप्त करे।

कार्यक्रम को श्रम मंत्री श्री स्वामी प्रसाद मौर्य तथा बाबा साहब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लालजी प्रसाद निर्मल ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम के अन्त में उप मुख्यमंत्री डॉ0 दिनेश शर्मा ने अतिथियों के प्रति आभार प्रकट किया।

इससे पूर्व, राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने डॉ0 अम्बेडकर महासभा परिसर में स्थापित तथागत बुद्ध की प्रतिमा पर माल्यार्पण तथा डॉ0 आंबेडकर के अस्थिकलश पर पुष्पांजलि भी अर्पित की। इस दौरान राज्यपाल जी और मुख्यमंत्री जी ने भारतरत्न बोधिसत्व बाबासाहब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर महासभा परिसर में स्थापित अनुसूचित जाति/जनजाति उत्पीड़न निवारण एवं सशक्तिकरण केन्द्र का उद्घाटन भी किया।

इस अवसर पर राज्य सरकार के मंत्रिगण श्री आशुतोष टण्डन, श्री बृजेश पाठक, श्री दारा सिंह चौहान, श्री धर्मपाल सिंह, श्री गिरीश यादव, श्री सुरेश राणा, श्रीमती स्वाती सिंह सहित जनप्रतिनिधिगण प्रमुख सचिव सूचना श्री अवनीश कुमार अवस्थी अन्य अधिकारीगण एवं गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

———————

PN-CM-Ambedkar Mahasabha 06 December, 2017